

रखना, थमना 6. पक्का होना प्रयो. विवाह ठहरना, कीमत ठहरना मुहा. किसी बात का ठहरना- मन में किसी भी विचार का स्थिर होना, किसी बात का पक्का होना 7. गर्भ धारण करना।

ठहराई स्त्री. (देश.) 1. ठहरने की क्रिया, ठहरने की मजदूरी 2. कब्जा।

ठहराऊ वि. (देश.) 1. ठहरने वाला 2. टिकाऊ।

ठहराना स.क्रि. (देश.) रोकना, रुकवाना, ठिकाना, तय करना जैसे- ठहराना अ.क्रि. रुकना, ठिकना।

ठहराव पुं. (देश.) 1. ठहरने का भाव 2. निर्णय, समझौता।

ठहरौनी स्त्री. (देश.) दहेज आदि के लेन-देन का करार 2. निश्चय, निर्धारण।

ठहाका पुं. (अनु.) अट्टहास, जोर की हँसी, कहकहा प्रयो. ठहाका लगाना- कहकहे लगाना।

ठहियाँ स्त्री. (देश.) ठिकाना, स्थान, जगह।

ठहोर स्त्री. (देश.) ठहरने योग्य जगह, विश्राम स्थल।

ठाँ पुं. (देश.) दे. ठाँव।

ठाँई स्त्री. (देश.) स्थान, जगह अव्य. पास, निकट।

ठाँऊ स्त्री. (देश.) 1. ठाँव, ठौर, स्थान, ठिकाना 2. पास, समीप।

ठाँउ स्त्री. (देश.) 1. ठाँव, स्थान, ठिकाना 2. पास, समीप।

ठाँय पुं. (अनु.) बंदूक छूटने का शब्द।

ठाँय स्त्री. (तद्.) दे. ठाँव।

ठाँय-ठाँय स्त्री. (अनु.) लगातार बंदूक छूटने का शब्द।

ठाँव स्त्री. (तद्.) 1. जगह, स्थान, ठिकाना 2. अवसर, मौका 3. ठहराव।

ठाँसना स.क्रि. (देश.) 1. दबाकर प्रविष्टि करना 2. कसकर भरना, दबादबा कर भरना 3. मना करना, रोकना।

ठाउर पुं. (देश.) ठौर, ठिकाना।

ठाकर पुं. (तद्.) ठाकुर, सरदार, प्रदेश का स्वामी।

ठाकुर पुं. (तद्.) 1. ईश्वर, परमेश्वर 2. नायक, सरदार 3. जमींदार 4. स्वामी, मालिक 5. नाई।

ठाकुर द्वारा पुं. (तद्.+तत्.) 1. विष्णु का मंदिर, देवालय, देव स्थान 2. पुरुषोत्तम धाम, जगन्नाथ जी का मंदिर।

ठाकुर प्रसाद पुं. (देश.) 1. नैवेद्य 2. एक प्रकार का धान।

ठाकुर बाड़ी स्त्री. (देश.) मंदिर, देवालय।

ठाकुरसेवा स्त्री. (तद्.) 1. देवता का पूजन 2. मंदिर को सौंपी गई संपत्ति।

ठाकुरी स्त्री. (तद्.) ठाकुराई।

ठाट पुं. (देश.) 1. रोकने के काम आने वाला बाँस का ढाँचा 2. शान, सजधज जैसे- ठाटबाट- शान शौकत, आडंबर 3. ढाँचा, पंजर मुहा. ठाट खड़ा करना- ढाँचा तैयार करना 4. रचना, बनावट शृंगार मुहा. ठाट बदलना- पैतरा बदलना, श्रेष्ठता प्रकट करना, बड़प्पन जताना 5. आडंबर, तड़क भड़क मुहा. ठाट मारना- मौज उड़ाना, पंख झाड़ना; ठाट से काटना- चैन से दिन काटना 6. ढंग, शैली, ढब 7. सामान, सामग्री 8. युक्ति, ढंग मुहा. ठाट बाँधना- वार करने की मुद्रा में होना 9. झुंड, समूह।

ठाट-बाट पुं. (देश.) 1. बनावट, सजधज 2. आडंबर, तड़क भड़क, शान-शौकत।

ठाटर पुं. (देश.) 1. ठट्ठर 2. ठठरी, पंजर 3. ढाँचा 4. ठाटबाट, बनावट सिंगार, सजावट 5. नदी का अधिक गहरा स्थान, जहाँ बाँस न लगे।

ठाठ स्त्री. (देश.) दे. ठाट।

ठाठर पुं. (देश.) ढाँचा, ठठरी।

ठाड़ा पुं. (देश.) खेत की एक प्रकार की जुताई।

ठाढ़ पुं. (देश.) दे. ठाढ़।

ठाढ़ा वि. (देश.) 1. खड़ा 2. उत्पन्न 3. साबुत। मुहा. ठाढ़ा देना-ठहराना, स्थिर रखना, ठिकाना।

ठाढ़ेश्वरी पुं. (देश.) एक प्रकार के साधु जो दिन-रात खड़े रहते हैं।

ठान पुं. (देश.) स्थान, जगह।

ठानना स.क्रि. (देश.) 1. दृढ़ संकल्प के साथ प्रारंभ करना 2. स्थिर करना, ठहराना, पक्का करना। जैसे: हठ ठानना, झगड़ा ठानना।

ठार पुं. (देश.) 1. पाला 2. अधिक सर्दी।